(d) why this organisation is not placed directly under the Chief Vigilance Commissioner with full protection of their Confidential Reports, promotion, etc. controlled by him, to make it an effective and purposeful organisation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) Vigilance Organisation, on the Zonal Railways as part of the Management, functions under the overall supervision of the General Manager.

(b) No. All the officers in the Railway, Vigilance Organisations are independent of other Heads of Department in regard to Vigilance work. They have been and are also working freely and fearlessly in this regard.

(c) The number of cases in which departmental inquiries were held and the number of employees punished in such Vigilance/SPE cases during the last three years, is as under:

	1974-75		1975-76		1976-77	
	Cases in which departmental enquiries were held	Employees punished in each cases	Cases in which departmental enquiries were held	Employees punished in such cases	Cases in which departmental enquiries were held	Employees punished in such cases
Gaz.	151	36	172	68	209	76
Non. Gaz.	2912	1351	3249	1958	3301	2 499

(d) Vigilance Organisation, being part of the management has to remain under the overall supervision of the General Manager of the Zonal Railways.

फर्रुखाबाद—मैलानी

7811 श्री टी० एस० नेगी :
श्री सुरेन्द्र विक्रम :

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या शाहजहांपुर होकर फर्रुखाबाद से मैलानी तक और शाहजहांपुर होकर फर्रुखाबाद से गोला गोकरनाथ तक रेल लाइनों के निर्माण के लिए कोई सर्वेक्षण किया गया था और क्या गोरखपुर स्थित उत्तर-पूर्व रेलवे के बड़ी लाइनों के निर्माण के चीफ इंजीनियर ने 12 अक्तूबर, 1977 को उक्त सर्वेक्षण का अंतिम प्रतिवेदन उनको भेजा था और यदि हां, तो उस पर क्या कार्यवाही की गई है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है, और

(ख) क्या वह इन रेल लाइनों के निर्माण को प्राथमिकता देंगे क्योंकि ये लाइनें सबसे अधिक पिछड़े क्षेत्र में है ।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) और (ख) जी हां, सर्वेक्षण रिपोर्ट की विस्तृत जांच की जा रही है सर्वेक्षण रिपोर्ट की पूर्णरूपेण जांच पड़ताल कर लेने बाद परियोजना पर आगे विचार किया जायेगा । देश के पिछड़े क्षेत्रों में नयी लाइनों के निर्माण के लिए धन की उपलब्धता को देखते हुए निर्णय लिया जायेगा ।

जबलपुर से नई दिल्ली तक कुतुब एक्सप्रेस चालू करने का प्रस्ताव

7182. श्री नर्मदा प्रसाद राय : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :